www.esamaad.com

जसमाद

first epaper in maithili

इसमाद

पटना, 21 नवंबर, 2010 ● अंक-53 ● वर्ष-3

पटना मे बुकिंग भेलाक बावजूद नहि भ सकल कार क डिलीवरी

समदिया

पटना। धनतेरस पर कार बाजार खास रफ्तार मे रहल। पटनाक लोक आब खुली कए कार खरीद रहल अछि। पिछला किछु साल पहिने तक पटनाक लोक कार लेबा स कतरा जाइत छल, मुदा आइ स्थिति इ अछि जे कार लेनिहार बेसी आ शोरूम मे कार कम पडि गेल अछि। पटना मे बुकिंग भेलाक बावजूद धनतेरस दिन लोक कए दरबाजा पर कार नहि लागी सकल। राजधानीक अधिकतर शोरूमक मालिक कार क डिलीवरी देबा मे असमर्थ रहलाह आ छठ तक डिलीवरी करबाक गप कहला अछि। जानकारीक अनुसार बुकिंग करेलाक बावजूद 500 स बेसी गोटे कए कार घर तक नहि पहुंच सकल। मारुति, हुंडई, टाटा मोटर्स, जीएम मोटर्स, फिएट आ महिन्द्रा एंड महिन्द्रा क शोरूम क जरिए केवल पटना मे कुल 2134 गाड़ी क बुकिंग भेल छल। एहि तरह स करीब 92 करोड़ टका क कारोबार भेल। पिछला साल धनतेरस पर 1300 कार क बुकिंग भेल छल। एहि तरह स पिछला साल क मुकाबला मे 834टा कार क लेल बेसी बुकिंग भेल। शहर मे मारुति क तीनटा शोरूम अछि। एहि मे वाउज आटोमाबाइल मे 500, अलंकार मोटर्स मे 170 आ कारलो आटोमाबाइल्स मे 300 कार क बुकिंग भेल छल। मुदा सबकए डिलीवरी नहि भ सकल। वाउज आटोमोबाइल्स क एमडी डाक्टर राकेश प्रसाद सिंह कहला जे 250टा ग्राहक कए ओ कार नहि द सकलाह। कारलो आटोमोबाइल्स क बिक्री प्रबंधक केसी गुप्ता कहला जे आल्टो क मांग सबस बेसी रहल। अलंकार मोटर्स क एमडी विंग कमांडर नरेन्द्र सिंह कहला जे आल्टो क बाद वैगन आर कए खूब समर्थन भेटल। जीएम मोटर्स क डीलर पाण्डेय मोटर्स क जरिए कुल 329 कार क बुकिंग केलक। शोरूम प्रबंधक प्रमोद शर्मा कहला जे स्पार्क, बीट आ तवेरा माडल क जोरदार मांग रहल। मुदा हम केवल 235टा ग्राहक कए डिलीवरी दे सकलहुं। महिन्द्रा क तीनटा शोरूम क जरिए कुल 300 गाड़ी क बुकिंग भेल। एरिया सेल्स मैनेजर दीपक सिन्हा कहला जे किछु ग्राहक कए डिलीवरी नहि द सकलहु। आस्था मोटर्स क जरिए 100, गिन्नी मोटर्स क जरिए 140 आ शंकर मोटर्स (एमयूवी) क जरिए 30 गाड़ी क बुकिंग भेल। आस्था मोटर्स क एसएस कादरी, गिन्नी मोटर्स क एमएन मुर्तजा क मुताबिक इंडिगो पर ग्राहक खास मेहरबान रहलाह। टैरेटेरी मैनेजर प्रशांत क मुताबिक फिएट क लेल कुल 15 बुकिंग भेल। हुंइई कंपनी क दूटा शोरूम क जरिए कुल 250 कार क बुकिंग भेल। क्रिश हुंडई क अमित गुप्ता कहला जे छठ तक शेष ग्राहक कए डिलीवरी द देल जाएत। आशियाना हुंडई क अशोक पटनायक कहला जे हमर शोरूम क जरिए 50टा कार क बुकिंग छल, जाहि मे आई–10 क सर्वाधिक मांग रहल।

नालंदाक बाद आब विक्रमशिला पर ध्यान, संरक्षित होएत धरोहर

समदिया

दोसर दिस शाहकुंड स्थित खीरी पहाड़ी आ कहलगांव स्थित मोहम्मद शाह क मकबरा कए सेहो विकसित करबा लेल प्राक्कलन तैयार कैल गेल अछि। जिला प्रशासन क सहयोग स दूनू स्थल कए पर्यटन स्थल क रूप मे विकसित करबाक प्रयास चलि रहल अछि। ज्ञात हुए जे पुरातत्व निदेशालय, पटना शाहकुंड स्थित खीरी पहाड़ी आ कहलगांव स्थित मोहम्मद शाह क मकबरा कए संरक्षित घोषित करि रखने अछि। एहि दूनू स्थल क ऐतिहासिक महत्व अछि। संग्रहालयाध्यक्ष श्रीकांत भगत कहैत छथि जे मोहम्मद शाह बंगाल क अंतिम मुस्लिम शासक छलाह। मुंगेर मे शेरशाह स भेल लड़ाई क बाद मोहम्मद शाह क दूनू पुत्र मारल गेलाह। तखन पुत्र वियोग मे कहलगांव मे शाह क मृत्यु भ गेल। हुनकर दूनू पुत्र क सेहो कब्र एतहि अछि।

भागलपुर। बिहार सरकार नालंदाक बाद आब प्राचीन विक्रमशिला पर ध्यान केंद्रित केलक अछि। सरकार द्वारा कहलगांव स्थित प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय क धरोहर कए संरक्षित रखबा लेल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करि लेल गेल अछि। एतबे नहि एहि रिपोर्ट कए दिल्ली स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग क महानिदेशक कए पठा देल गेल अछि। संरक्षण पर करीब 50 लाख टका खर्च हेबाक अछि। छठ पर्व क बाद कोलकाता स वास्तुविद आ सलाहकार औताह आ स्थल क भौतिक निरीक्षण करताह।
अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. संजय कुमार मंजूल क अनुसार प्राचीन स्मारक कए संरक्षित करबाक दायित्व हुनकर विभाग क अछि। एहि कड़ी मे विभाग प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय क धरोहर कए संरक्षित करबाक कार्य शुरू करि देलक अछि। छोट बजट क काज त शुरू भ चुकल अछि, मुदा विस्तृत काज हेबाक अछि। गत वर्ष एएसआई क महानिदेशक केएन श्रीवास्तव साइट देखिकए गेल छलाह। मुख्य स्तूप क संरक्षण क काज पिछला दू माह स चलि रहल अछि। जतए–जतए नोनी लागल छल, ओकरा ठीक कैल जा रहल अछि। जरूरत क मुताबिक आहि ठाम ओहि साइज क ईंट लगाउल जा रहल अछि। डॉ. मंजूल कहला जे महानिदेशक क भागलपुर दौरा क बाद संरक्षण क काज मे तेजी आएल अछि।
दोसर दिस विक्रमशिला क धरोहर राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर त अछि, मुदा विदेशी पर्यटक लेल एहि ठाम एखन धरि समुचित सुविधा उपलब्ध नहि अछि। मालूम हुए जे विक्रमशिला क धरोहर कए संरक्षित करबाक जिम्मेदारी भारत सरकार क अछि। जखन कि एहि ठाम समुचित सुविधाक व्यवस्था करब राज्य सरकारक काज अछि। स्थानीय सांसद शाहनवाज हुसैन द्वारा विक्रमशिला विश्वविद्यालय क संरक्षण पर लगातार आवाज उठेलाक बाद केंद्र एएसआई क महानिदेशक केएन श्रीवास्तव क नेतृत्व मे एकटा दल कए एहि ठाम पठेने छल। महानिदेशक पटना स्थित अधीक्षण पुरातत्वविद् कए विस्तृत प्राक्कलन बनेबा लेल कहने छलाह। रिपोर्ट तैयार भ गेल आ दिल्ली चल गेल।
दोसर दिस शाहकुंड स्थित खीरी पहाड़ी आ कहलगांव स्थित मोहम्मद शाह क मकबरा कए सेहो विकसित करबा लेल प्राक्कलन तैयार कैल गेल अछि। जिला प्रशासन क सहयोग स दूनू स्थल कए पर्यटन स्थल क रूप मे विकसित करबाक प्रयास चलि रहल अछि। ज्ञात हुए जे पुरातत्व निदेशालय, पटना शाहकुंड स्थित खीरी पहाड़ी आ कहलगांव स्थित मोहम्मद शाह क मकबरा कए संरक्षित घोषित करि रखने अछि। एहि दूनू स्थल क ऐतिहासिक महत्व अछि। संग्रहालयाध्यक्ष श्रीकांत भगत कहैत छथि जे मोहम्मद शाह बंगाल क अंतिम मुस्लिम शासक छलाह। मुंगेर मे शेरशाह स भेल लड़ाई क बाद मोहम्मद शाह क दूनू पुत्र मारल गेलाह। तखन पुत्र वियोग मे कहलगांव मे शाह क मृत्यु भ गेल। हुनकर दूनू पुत्र क सेहो कब्र एतहि अछि। एहि कारण एकरा संरक्षित राखल गेल अछि। एकर संगहि शंभूगंज क गौरीपुर पहाड़ क पूर्ण सर्वे क प्रस्ताव अछि। शंभूगंज प्रखंड क गौरीपुर पहाड़ क शिलाखंड मे किछु एहन आकृति भेटल अछि, जेकरा संरक्षित करबाक आवश्यकता जताउज जा रहल अछि। एहि स्थल क सर्वे संग्रहालयाध्यक्ष अपने करताह। ओ अपन रिपोर्ट मे कला, संस्कृति युवा विभाग, पुरातत्व निदेशालय, पटना कए पूर्ण सर्वेक्षण क जरूरत बतेलथि अछि। अनुरोध कैल गेल अछि जे प्राकृतिक सौंदर्य क संग–संग पुरातात्विक आ ऐतिहासिक दृष्टिकोण स इ क्षेत्र महत्वपूर्ण अछि।

इसमाद

पटना, 9 नवंबर, 2010

मुजफ्फरपुर मे बनत औद्योगिक उपकरण

समदिया

मुजफ्फरपुर । उत्तर बिहार क औद्योगिक इकाइयों क जरूरत क अनुसार विभिन्न तरह क उपकरण आ औजार आब मुजफ्फरपुर मे बनत। एहि संबंध मे प्रस्तावित मिनी टूल रूम कए केन्द्र स मंजूरी भेट गेल अछि। एहि संबंध में इंडो–डेनिस टूल रूम (आईडीटीआर) द्वारा सर्वे रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय कए पठा देल गेल अछि। उल्लेखनीय अछि जे एखन धरि बिहार क औद्योगिक इकाइ सब लेल उपकरण आ औजार कोलकाता, झारखंड या फेर अन्य राज्य स आयात होएत छल। एहि ठाम उपकरण बनलाह स बिहार क उद्यमी कए काफी राहत होएत।
ज्ञात हुए जे मिनी टूल रूम क तहत औद्योगिक उपकरण क उत्पादन होएत अछि। इ एकटा प्रयोगशाला सह इकाई होएत अछि। मिनी टूल रूम मे कुशल कारीगरी क प्रशिक्षण देल जाइत अछि। उद्योग मे प्लांट चलेबा मे अबै वाला तकनीकी समस्या क निदान कैल जाइत अछि। एहि तरह स औद्योगिक विकास मे अवस्थापना संबंधी सुविधा मिनी टूल रूम स भेटत।
मिनी टूल रूम क स्थापना क लेल प्राथमिक अनुश्रवण समिति क गठन कैल जा चुकल अछि। इ समिति पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मे मिनी टूल रूम क स्थापना क कवायद क प्रगति रिपोर्ट क जायजा लैत रहत। कमेटी मे सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग संस्थान, जिला उद्योग केन्द्र आ बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार क अधिकारी सदस्य छथि।
मुजफ्फरपुर स्थित बेला औद्योगिक क्षेत्र मे मिनी टूल रूम क स्थापना होएत। एकरा लेल बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार जमीन देलक अछि। उक्त टूल रूम क लागत 9 करोड़ आंकल जा रहल अछि।
आईडीटीआर क टीम पिछला किछु दिन पहिने बेला औद्योगिक क्षेत्र क भ्रमण करि एहि ठामक अधिकारी स गपशप केने छलाह। एहि संबंध मे सर्वे रिपोर्ट तैयार भ चुकल अछि। खबर अछि जे रिपोर्ट मुख्यालय, दिल्ली कए पठा देल गेल अछि।

ब्रिटानियां बिहार मे लगाउत बिस्कुट संयंत्र

समदिया

मुंबई। देश क बेकरी आओर डेयरी उत्पाद बनेनिहारी एकटा प्रमुख कंपनी ब्रिटानियां इंडस्ट्रीज बिहार मे संयंत्र स्थापित करत। कंपनी क प्रबंध निदेशक विनीता बाली शुक्रदिन एकर जानकारी देलथि। ओ कहलथि जे इ संयंत्र एहि वित्त वर्ष मे स्थापित भ जाएत। एहि संयंत्र मे मुख्य रूप स बेकरी उत्पाद तैयार होएत। बाली कहलथि जे एकटा नव संयंत्र ओडिशा मे सेहो लगाउल जा रहल अछि। दून संयंत्र मे कंपनी 70 करोड़ स 90 करोड़ टका तक निवेश करत। कंपनी क उत्पाद क दाम बढाउल जेबा पर बाली कहलथि जे एखन एहन कोनो विचार नहि अछि।
ब्रिटानियां एहि सप्ताह चालू वित्त वर्ष क दोसर तिमाही क अपन परिणाम घोषित केलक अछि। परिणाम मे शुद्ध लाभ पिछला साल क एहि अवधि क मुकाबले 46 प्रतिशत खसि कए 31 करोड़ 87 लाख रहि गेल अछि। कंपनी कए बिस्कुट उत्पाद मे मैरी, लिटिल हार्ट्स, फिफटी–फिफटी, टाईगर आ स्नैक्स काफी लोकप्रिय अछि।

मुजफ्फरपुर मे खुलत विद्युत विभाग क विशेष कोर्ट

समदिया

मुजफ्फरपुर । विद्युत उपभोक्ता क लेल खुशखबरी। बिजली स संबंधित शिकायत क सुनवाई आब एहि ठाम विद्युत विभाग क विशेष कोर्ट मे भ सकत। बिजली बोर्ड स विशेष न्यायालय गठन क मंजूरी भेट गेल अछि। गोपालगंज क अपर जिला आ सत्र न्यायाधीश परशुराम शुक्ला कए तिरहुत विद्युत आपूर्ति क्षेत्र क न्यायाधीश बनाउल गेल अछि। आधिकारिक सूत्र क मुताबिक एहि विशेष न्यायालय मे विद्युत संबंधी, विद्युत विपत्र, बिजली चोरी, राजस्व सहित बिजली संबंधित अन्य सब तरह क मामला क सुनवाई कैल जाएत। एखन धरि उपभोक्ता कए बिजली संबंधित परेशानी आ समस्या स निजात पेबा लेल आम न्यायालय क दरवाजा पर जाइ परैत छल। ओहि ठाम मामला क निस्तारण मे एतबा विलंब होइत छल जे लोक कोर्ट क रुख करबा स परहेज करैत छल। एहि न्यायालय मे लोक सीधा न्याय क लेल गुहार लगा सकैत अछि।

मुजफ्फरपुर मे आवास बोर्ड क नव स्कीम

समदिया

मुजफ्फरपुर । दामोदरपुर स्थित आवास बोर्ड क मकान आ भू–खंड लेनिहार लेल एकटा नीक समाद अछि। आवंटन क नाम पर चुप बैसल बोर्ड मकान आ जमीन कए एकमुश्त भुगतान पर आवंटित करबाक योजना तैयार केलक अछि। एकरा लेल कवायद कए अमलीजामा पहनेबा मे विभागीय अधिकारी जुटि गेलाह अछि। यानी आब बोर्ड क मकान कए अपन आशियाना बनेबा लेल एक बेर मे अपन जेब ढील करबा लेल तैयार रहू। एहने प्रकिया भू–खंड मे सेहो अपना. उल जाएत। बताउल जा रहल अछि जे एहि स आवंटित लोक कए ब्याज देबा स राहत भेटत। संभावना इ सेहो जताउल जा रहल अछि जे जर्जर भ चुकल मकान कए या त बोर्ड मरम्मत कर कए बेचत या फेर ओकरा ढाह कए जमीन क आवंटन करत। कहल जा रहल अछि जे आवंटन क बाद लोक सब किश्त जमा नहि केलथि आ बोर्ड सेहो एहि दिस ध्यान नहि देलक, मुदा नव सरकार मे बोर्ड एक बेर फेर सक्रिय भेल अछि आ नव ढंग से मामला कए आगू बढा रहल अछि। एकरा लेल बोर्ड कए एमडी सबटा जर्जर आ अतिक्रमित मकान क सूची मंगेलथि अछि। सूची मे अतिक्रमणकारी आ आवंटन रद्द भेलाक बाद कब्जा रखनिहार

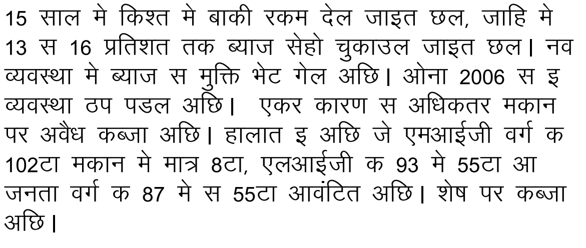

लोकक संबंध मे सेहो विस्तृत जानकारी देल गेल अछि। ज्ञात हुए जे पहिने मकान आ भूखंड लेल पूरा राशिक बीस प्रतिशत द कए आवंटन करा लेल जाइत छल। ओकर बाद 15 साल मे किश्त मे बाकी रकम देल जाइत छल, जाहि मे 13 स 16 प्रतिशत तक ब्याज सेहो चुकाउल जाइत छल। नव व्यवस्था मे ब्याज स मुक्ति भेट गेल अछि। ओना 2006 स इ व्यवस्था ठप पडल अछि। एकर कारण स अधिकतर मकान पर अवैध कब्जा अछि। हालात इ अछि जे एमआईजी वर्ग क 102टा मकान मे मात्र 8टा, एलआईजी क 93 मे 55टा आ जनता वर्ग क 87 मे स 55टा आवंटित अछि। शेष पर कब्जा अछि।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज मे पीजी डिग्री क सीट बढल

समदिया

दरभंगा। प्रदेश मे आब विशेषज्ञ डॉक्टर क कमी नहि रहत। केंद्र सरकार राज्य क पांचटा मेडिकल कॉलेजों क पीजी डिग्री क सीट मे वृद्धि करबाक स्वीकृति द देलक अछि। एहि मेडिकल कॉलेज मे पीजी क 185टा सीट मे वृद्धि तय भ गेल। इंफ्रास्ट्रक्चर क लेल 70.17 करोड़ टका सेहो भेटत। एहि मे प्रदेश सरकार कए 25 प्रतिशत राशि खर्च करबाक अछि। प्रदेश सरकार क आग्रह पर वर्ष 2009 मे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया क टीम मेडिकल कॉलेज क निरीक्षण केने छल। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल कए 15 विभाग मे पीजी डिग्री क 39टा सीट क वृद्धि कैल गेल अछि। एहि कॉलेज क शिशु रोग, एनाटॉमी, पीएसएम आ स्त्री रोग आओर प्रसूति विभाग मे चारि–चारि टा सीट क स्वीकृति भेटल अछि। फिजियोलॉजी, फर्माकॉलोजी, रेडियोडायग्नोसिस, फोरेन्सिक मेडिसीन आ शिशुरोग विभाग मे दू–दू टा सीट क वृद्धि भेल अछि। बायोकेमेस्ट्री, मनोचिकित्सा, माइक्रोबायोलॉजी आ सर्जरी विभाग मे एक–एक टा सीट क स्वीकृति देल गेल अछि। एनेस्थेसिया विभाग क पीजी डिग्री मे तीनटा सीट क वृद्धि भेल अछि। इंफ्रास्ट्रक्चर क लेल 7.09 करोड़ राशि भेटल अछि। एसके मेडिकल कॉलेज मुजफ्फरपुर क 12टा विभाग मे पीजी डिग्री क 26टा सीट पर नामांकन क स्वीकृति देल गेल अछि। इंफ्रास्ट्रक्चर क लेल एकरा 18.12 करोड़ टका भेटल अछि।
जेएन मेडिकल कॉलेज भागलपुर क 14टा विभाग मे 58टा सीट क वृद्धि भेल अछि। एहि कॉलेज कए 23.49 करोड़ राशि क स्वीकृति देल गेल अछि। नालंदा मेडिकल कॉलेज पटना क 16टा विभाग मे 58टा सीट क वृद्धि भेल अछि। एहि कॉलेज कए 18.78 करोड़ भेटल अछि। पीएमसीएच क तीनटा विभाग मे मात्र चारि टा सीट क वृद्धि भ सकल अछि। एहि कॉलेज कए 2.69 करोड़ भेटल अछि। दरभंगा मेडिकल कॉलेज क प्राचार्य डा. एसएन सिन्हा कहला जे बढल सीट पर नामांकन क प्रक्रिया अगिला सत्र स शुरू होएत।

पटना मे खुलल डोमिनोज पिज्जा स्टोर

पटना । डोमिनोज पिज्जा क बिहार मे पहिल स्टोर पटना मे खुलल। भारत, नेपाल, बांग्लादेश आ श्रीलंका मे विपणन अधिकारवाला कंपनी जुबिलियंट फूड वर्क्स लिमिटेड समूह क सीईओ अजय कौल कहला अछि जे पटना समेत राज्यक आन शहर मे सेहो एकर आओर स्टोर जल्द खोलल जाएत।
पटना क एक्जिवीशन रोड मे खुले डोमिनोज पिज्जा क बिहार मे पहिल स्टोर छी। स्टोरक विधिवत उद्घाटन करैत काल कहला जे पटना मे इ स्टोर जाहि प्रकार स विपणन केलक अछि ओ उत्साहवर्धक अछि आ पटना मे दिन–प्रतिदिन बढ़ि रहल आर्थिक गतिविधि कए देखा रहल अछि। ओ कहला जे अगिला एक दू मास मे हुनकर कंपनी पटना क कंकडबाग आ बोरिंग रोड इलाका मे सेहो अपन दूटा स्टोर खोलबाक निर्णय लेलक अछि।
ओ कहला जे डोमिनोज पिज्जा क पूरा भारत क 79 नगर मे 240टा स्टोस अछि, जतए ओ अपन 10 हजार कर्मचारी क बदौलत उपभोक्ता कए होम डिलीवरी क संग डाईनिंग–इन क सुविधा उपलब्ध करा रहल छथि।

इसमाद

पटना, 9 नवंबर, 2010

दिल्ली मे मनाउल गेल सामा चकेबा

समदिया

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित बिरला मंदिर क वाटिका मे एहि साल मिथिला क लोक पर्व सामा–चकेबा हर्षोल्लास स मनाउल गेल। भाई–बहिन क अद्भुत प्रेम क ई उत्सव राजधानी मे पहिल बेर मनाउल गेल। मिथिला क साहित्य आ संस्कृति क लेल काज केनिहार मैथिली युवा संगठन यूथ ऑफ़ मिथिला राजधानी मे पहिल बेर सामा–चकेवा क आयोजन करबा मे सफल रहल। दिल्ली आ एनसीआरक मैथिल परिवार क भागीदारी स बिरला मंदिर क वाटिका किछु काल लेल मानू मिथिला भ गेल छल। उत्सव श्रीमती नीतू झा क निर्देशन मे संपन्न भेल। एहि उत्सव क राजधानी मे आयोजन क आवश्यकता पर प्रकाश दैत यूथ ऑफ़ मिथिला क अध्यक्ष भवेश नंदन कहला जे जखन समाज अपन माटी स दूर रहैत अछि तखन अपन पारंपरिक मूल्य आ समृध्द संस्कृति कए बिसरबा लेल मजबूर नहि भ जाए ताहि लेल एहन आयोजनक आवश्यकता बढल जा रहल अछि, इ आयोजन एकटा प्रयास अछि अपन समृध्द परंपरा कए अपन मूल रूप मे मनेबाक। ओ कहला जे सामा–चकेबा कए व्यापक प्रचार प्रसार जरुरी अछि, संस्कृति क प्रति मिथिला क नजरिया देश समाज मे व्यापक रूप स पहुचे त नीक होएत। एहि अवसर पर संगठन क प्रवक्ता सह उपाध्यक्ष कमलेश किशोर झा ने सामा–चकेबा क पारंपरिक गीत क संबंध मे लोक कए जानकारी देलथि। एहि अवसर पर गाँधी शांति प्रतिष्ठान क सचिव सुरेन्द्र कुमार, पत्रकार अवधेश कुमार, अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् क महासचिव केएन झा, मैलोरंग क सचिव प्रकाश झा, योम के सचिव आनंद झा, पत्रकार हितेंद्र गुप्ता, अबीर वाजपेई, अमिताभ भूषण, युवा फिल्मकार आकाश अरुण, कैमरा मैन रतुल बरुआ, रणजीत झा, गौतम कृष्ण, कुंदन झा, शेषनाथ मिश्र, गोपाल जी गोपाल, धीरेन्द्र कर्ण अशोक झा, विकास मिश्र, संतोष कुमार आदि पुरूष सेहो उपस्थित छलाह।

आरोह अवरोह क सानिध्य

नई दिल्ली । दिल्ली क त्रिवेणी सभागार मे मैलोरंगक सौजन्य स शनिदिन संगीतक सानिध्य भेटल। मैथिलीक एहि पहिल बैंड सानिध्य क प्रस्तुति कए देखबा लेल सभागार छोट पडि गेल छल। करीब तीन घंटाक अपन प्रस्तुति मे बैंड मैथिली, नेपाली, हिंदी क संग–संग अंग्रेजी क बोल सेहो सुनौलक। पूरा कार्यक्रम क दौरान श्रौता संगीतक आरोह आ अवरोह मे डूबल रहल। किछु तकनीकी खामी कए अगर नजरअंदाज करि देल जाए त इ कार्यक्रम अद्भुत छल। मैथिल नवयुवक क इ समूह आधुनिक संगीत मे पारंपरिक शैलीक एहन मिश्रण करबा मे सफल भेलथि अछि जाहि स अल्ला–रूदल सन लुप्त भ चुकल मैथिल गीतक शैली कए एक प्रकार स नव जन्म भेट गेल अछि। सारंगी लेने गुदरिया बाबा क गीत एक बेर फेर नव वाद्ययंत्रक संग लोकक सामने आयल त ताली अनायास बाजय लागल। गामक स्मरणक संगहि नैनपन सेहो आंखिक सामने आबि गेल। अपन हिंदी प्रस्तुति यह संभव नहीं है स कार्यक्रम कए संपन्न करबाक बावजूद सानिध्य इ कहबा मे पूर्णतः सफल जे हुनका सब लेल कोनो चीज असंभव नहीं अछि। जरूरत अछि हुनका सब कए श्रौताक सानिध्य भेटैत रहै।

त्वरित न्याय क दिशा मे एकटा आओर डेग

समदिया

भागलपुर। जस्टिस डिलेड, जस्टिस डिनायड..। यानि न्याय भेटबा मे देरी भेल त बूझू जे न्याय स वंचित भेलहुं। एहि परिपेक्ष्य मे त्वरित न्याय क लेल पटना हाईकोर्ट राज्य क सबटा सेशन डिविजन मे संध्याकालीन कोर्ट शुरू करबाक निर्देश जारी केलक अछि। इ कोर्ट सब जिला मे 15 नवम्बर स प्रारंभ भ रहल अछि। एहि आशय क अधिसूचना हाई कोर्ट द्वारा जारी करि देल गेल अछि, जतए लंबित मामला क शीघ्र निष्पादन कैल जाएत।
विदित हुए जे एकरा लेल भारत सरकार द्वारा 13वीं वित्त आयोग क माध्यम स विभिन्न वित्तीय सहयोग देबाक अछि। जेकर सूचना बिहार सरकार क विधि विभाग कए जारी कैल गेल अछि। एहि आलोक मे हाई कोर्ट संध्याकालीन कोर्ट प्रारंभ करबाक अधिसूचना जारी केलक

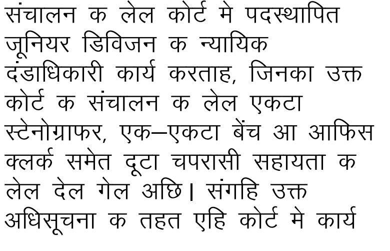

अछि, जेकर बाद इ कोर्ट मूर्त रूप मे आबि रहल अछि। एकर कार्यावधि पांच बजे स सांझ स सात बजे सांझा तक क होएत। मात्र दू घंटा क एहि कोर्ट क संचालन क लेल कोर्ट मे पदस्थापित जूनियर डिविजन क न्यायिक दंडाधिकारी कार्य करताह, जिनका उक्त कोर्ट क संचालन क लेल एकटा स्टेनोग्राफर, एक–एकटा बेंच आ आफिस क्लर्क समेत दूटा चपरासी सहायता क लेल देल गेल अछि। संगहि उक्त अधिसूचना क तहत एहि कोर्ट मे कार्य करनिहार अधिकारी आ सहयोगीगण कए हुनकर मूल वेतन क 25 प्रतिशत आ महंगाई भत्ता क भुगतान होएत।
हाई कोर्ट दंप्रस क धारा 11 क सब सेक्सन तीन क तहत एहि कोर्ट मे कार्य करनिहार जूनियर डिविजन क न्यायिक दंडाधिकारी कए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी क अधिकार सेहो देलक अछि। संध्याकालीन कोर्ट मे मोटर ह्वेकिन एक्ट स संबंधित मामला, एनआई एक्ट 1881 क धारा 138, मुनिसिपल एक्स, माप–तौल विभाग क विधि, फूड एडलट्रेशन एक्ट, आवश्यक वस्तु अधिनियम, सोप आ इस्टाब्लिसमेंट एक्ट, भादवि क सन धारा क केस संचालन होएत, जाहि मे आरोपी कए न्यायिक अभिरक्षा मे नहि लेल जा सकत। एहि कोर्ट मे संधि योग्य धारा क सुनवाई कैल जाएत। ओतहि दीवानी मामला जे 50 हजार स कम क दावा राशि क हाएत ओकर सेहो सुनवाई एहि अदालत मे भ सकत।

स्वर्ण पर राजेश क नजर

समदिया

पटना । पिछला दूटा एशियाड मे कांस्य जीत चुकल बिहार क राजेश चौधरी क ध्यान एहि बेर सीधा गोल्ड पर अछि। 12 स 27 नवंबर क बीच ग्वांग्झू मे होइवाला एशियाई खेल क लेल भारतीय नौकायन टीम मे शामिल राजेश क इ आखिरी एशियाड छी। बुसान आ दोहा एशियाई खेल मे विक्ट्री पोडियम पर चढ़ेवाला बेगूसराय क रघुनंदनपुर निवासी राजेश फेर स ओपन लेजर रेडियल क्लास मे भारतीय टीम क अगुवाई करबा लेल तैयार छथि। एहि साल 29 अगस्त कए राष्ट्रपति क हाथ स अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करनिहार राजेश एहि बेर स्वर्ण पदक जीत एशियाई खेल स विदाई चाहैत छथि। एकरा लेल ओ चेन्नई क मरीना बीच पर गहन अभ्यास मे जुटल छथि। फोन पर भेल गप मे राजेश कहला जे दोहा मे एक अंक स स्वर्ण पदक आ टाई भेला स सिंगापुर क खिलाड़ी स रजत पदक गंवेबाक मलाल हुनका आइ धरि अछि। एकर भरपाई एहि बेर जरूर कैल जाएत। राजेश कहला –हमर तैयारी पुख्ता अछि। ब्रिटिश कोच पीट कोन्वे स हमरा काफी मदद भेटल अछि। चीन क मौसम क अनुसार स्वयं कए ढाल रहल छी। वजन सेहो कम केलहुं अछि। अर्जुन पुरस्कार लेबा स पहिने टर्की क इस्तांबुल मे हम स्वर्ण पदक जीत चुकल छलहुं। ओ हला जे एहि बेर सबस नीक गप इ अछि जे भारतीय नौका चालन टीम चारि नवंबर कए चीन पहुंच जाएत आ होंगाई बे पर शेनवी वाटर स्पोर्ट्स सेंटर मे अभ्यास करत। 14 नवंबर स रेस शुरू होएत, जेकर समापन 21 कए होएत। सब किछु ठीक रहल त स्वर्ण पदक क रूप मे नववर्ष क सनेस अपन देश आ देस कए जरूर देब। राजेश कहला जे एशियाड क बाद ओ लंदन ओलंपिक (2012) क तैयारी मे जुटताह। आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट ओलंपिक क लेल क्वालीफाई करब हमर सपना अछि। एकर बाद प्रशिक्षण क क्षेत्र मे काज करब।

एकटा आओर क्रिकेटर पलायन लेल तैयार

समदिया

पटना । बिहार मे राजनेताक आपसी झगडा मे क्रिकेट बरबाद भ रहल अछि। एक कए बाद एक खिलाडी राज्य स बाहर जा रहल अछि। ताजा मामला राष्ट्रीय स्तर पर कईटा टूर्नामेंट मे विकेट की झड़ी लगा देनिहार उदीयमान बायां हाथक तेज गेंदबाज प्रतीक कुमार क अछि। प्रतीकक कहब अछि जे पिछले वर्ष हुनका बंगाल क दिस स लीग खेलबाक मौका भेटल छल, मुदा अपन राज्य स लगाव क कारण ओ आफर ठुकरा देलथि। आइ अपन निर्णय पर अफसोस करैत प्रतीक कहैत छथि– हम क्रिकेट संघ स विनती करैत छी जे ओ आपसी मतभेद बिसरी कए मान्यता लेल एक मंच पर आबि प्रयास करथि। प्रतीक कहला जे एखनो किछु नहि बिगड़ल अछि। क्रिकेट क कर्ताधर्ता चाहथि त राज्य मे भद्रजन क एहि खेल कए फेर स ट्रैक पर आनल जा सकैत अछि। अगर एहन नहि भेल त हम कि कोनो खिलाडी बिहार मे नहि रहत। अपन सामने कईटा क्रिकेटर क कॅरियर कए चौपट होइत देख चुकल छी। हमरा संग सेहो एहन हुए, एहि स पूर्व हम राज्य कए छोड़ि देब। प्रतीक फिलहाल राजधानी मे आयोजित महाराणा प्रताप क्रिकेट टूर्नामेंट मे अपन टीम जेवियर इंटरनेशनल कए अंतिम 16 मे पहुंचा चुकल छथि। 14 वर्ष क उम्र मे 110 किमी क रफ्तार स गेंद फेंक रहल प्रतीक एकर श्रेय अपन अभिभावक आ कोच कए दैत छथि। क्रिकेट क प्रति रुझान कए देख पिता प्रतीक कए सीएबी मे दाखिला दियौलथि, जेकर बाद ओ पहिल टूर्नामेंट खेलबा लेल बंगाल गेलथि, जतए दस विकेट लकए दमदार उपस्थिति दर्ज करेबाक संग हि बंगाल क दिस स लीग खेलबाक प्रस्ताव प्राप्त केलथि, जेकरा ओ ठुकरा देलथि।

अंक- 53, साल-3, इसमाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com